से उन्हीं स्थानों में बनाए जाते हैं जहां पर डाक्टरी तथा शिक्षा सम्बन्धी सभी सुविधाएं पहले से ही मौजूद हों।

रक्षा सेवा कार्मिकों, जिनमें अग्रिम क्षेत्रों में तैनात कार्मिक भी शामिल हैं, के बच्चों के लिए मिलिट्री स्कूलों, लारेन्स स्कूलों और सैनिक स्कूलों में जगहें सुरक्षित होती हैं। देश भर में 100 से अधिक केन्द्रीय स्कूल हैं जहां रक्षा सेवाओं के कार्मिकों के बच्चों को दाखिला देने में प्राथमिकता दी जाती है।

(ख) तथा (ग). 1246 अफसरों, 966 जूनियर कमीशंड अफसरों, 3040 जवानों और 703 गैर लड़ाकू (भर्ती किए गए) सैनिकों के परिवारों के लिए आवास बनाने की योजना मंजूर की गई है। परिवारों के लिए मंजूरशुदा आवास बनने तक, सरकार ने कुछ चुने हुए स्थानों में मकान किराए पर लेने की इजाजत दी है।

Utilisation of Services of Army in Bihar for Relief Operations

738. **Shri George Fernandes:**
Shri J. H. Patel:
Dr. Ram Manohar Lohia:
Shri Madhu Limaye:
Shri S. M. Joshi:

Will the Minister of Defence be pleased to state:

(a) whether the services of the Army have been utilised in relief operations in the famine-stricken areas of Bihar;

(b) the specific jobs on which the Army has worked so far; and

(c) whether any tube-wells have been sunk with the assistance of the Army?

The Minister of Defence (Shri Swaran Singh): (a) Yes, Sir.

(b) and (c). The Army has helped to bore 14 wells so far of varying capacity which will provide water for drinking as well as irrigation. Boring of three more wells is in progress.

A medical team consisting of 25 personnel drawn from the three services, including three doctors, is due to begin relief work in Gaya district by the end of May. The Medical Team will also run a free kitchen to provide each day about 500 meals to sick persons.

समाचारपत्रों में विज्ञापन

739. **श्री राम चरण:** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में अंग्रेजी तथा अन्य भारती भाषाओं में, अलग-अलग प्रकाशित होने वाले समाचारपत्रों की संख्या क्या है : और

(ख) वर्ष 1966/67 के दौरान सरकार ने इन समाचारपत्रों को कुल कितने मूल्य के, अलग-अलग, विज्ञापन दिये ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री के० के० शाह): (क) और (ख). समाचार-पत्रों जिनमें पत्रिकायें भी शामिल हैं, के संबंध में अपेक्षित सूचना नीचे दी गई है :—

भाषा	देश में छपने वाले समाचार-पत्रों तथा पत्रिकाओं की संख्या	1966-67 में विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय के द्वारा दिये जाने वाले विज्ञापनों का कुल मूल्य
1	2	3
		रुपये
अंग्रेजी .	2,356	45,32,169
हिन्दी .	2,276	9,38,913
असमिया .	33	49,124
बंगला .	604	4,67,715
गुजराती .	622	2,99,671
कन्नड़ .	654	1,02,007
मलयालम .	300	2,97,938
मराठी. .	543	2,94,240